6

TERM-1
SAMPLE PAPER
SOLVED

हिन्दी 'अ'

निर्धारित समय : 90 मिनट *अधिकतम अंक : 40*

सामान्य निर्देश : सैंपल पेपर 1 में दिये गये निर्देशानुसार।

खंड 'क'

अपठित गद्यांश एवं काव्यांश अंक-10

1. नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए—(1 × 5 = 5)

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश-I पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

जितनी अनिच्छा से हम सलाह को स्वीकार करते हैं, उतनी अनिच्छा से किसी अन्य को नहीं। सलाह देने वालों के बारे में हम सोचते हैं कि वह हमारी समझ को अपमान की दृष्टि से देख रहा है अथवा हमें बच्चा या बुद्धू मानकर व्यवहार कर रहा है। हम उसे एक अव्यक्त सेंसर मानते हैं और ऐसे अवसरों पर हमारी भलाई के लिए जो उत्साह दिखाया जाता है, उसे हम एक पूर्व धारणा या धृष्टता मानते हैं। इसकी सच्चाई यह है कि जो सलाह देने का बहाना करता है; वह इसी कारण से हमारे ऊपर अपनी श्रेष्ठता स्थापित करता है। इसके अतिरिक्त कोई और कारण नहीं हो सकता। किन्तु अपने से हमारी तुलना करते हुए, वह हमारे आचरण अथवा समझदारी में कोई दोष देखता है। इन कारणों से, सलाह को स्वीकार्य बनाने से कठिन कोई कला नहीं है और वास्तव में प्राचीन और आधुनिक दोनों युग के लेखकों ने इस कला में जितनी दक्षता प्राप्त की है, उसी आधार पर स्वयं को एक-दूसरे से अधिक विशिष्ट प्रमाणित किया है। इस कटु पक्ष को रोचक बनाने के कितने उपाय काम में लाए गए हैं? कुछ सर्वोत्तम शब्दों में अपनी शिक्षा हम तक पहुँचाते हैं, कुछ अत्यन्त सुसंगत ढंग से, कुछ वाक्चातुर्य से और अन्य छोटे मुहावरों में।

पर मैं सोचता हूँ कि सलाह देने के विभिन्न उपायों में जो सबको अधिक प्रसन्नता देता है, वह गल्प है, वह चाहे किसी भी रूप में आए। यदि हम इस रूप में शिक्षा देने अथवा सलाह देने की बात सोचते हैं तो वह अन्य सबसे बेहतर है क्योंकि सबसे कम झटका लगता है।

(क) गद्यांश के अनुसार सलाह को किस दृष्टि से देखा जाता है—
- (i) अपमान की दृष्टि से
- (ii) सम्मान की दृष्टि से
- (iii) स्वीकार्य की दृष्टि से
- (iv) प्रेम की दृष्टि से

(ख) किस कला को सबसे कठिन कला कहा गया है?
- (i) दूसरों को अपना बनाने की कला को।
- (ii) किसी की सलाह को स्वीकार करने की कला को।
- (iii) किसी की सच्चाई को स्वीकार करने की कला को।
- (iv) स्वीकार्य की कला को।

(ग) लेखक किस रूप में सलाह देने को बेहतर मानता है?
- (i) मुहावरों के रूप में
- (ii) सुसंगत रूप में
- (iii) गल्प के रूप में
- (iv) सलाह के रूप में

(घ) प्राचीन और आधुनिक युग के लेखकों ने किस कला में दक्षता प्राप्त की है?
- (i) सलाह को स्वीकारने में
- (ii) सच्चाई को न स्वीकारने में
- (iii) सलाह और सच्चाई को स्वीकारने में
- (iv) सलाह और सच्चाई को न स्वीकारने में

(ङ) 'सुसंगत' में से उपसर्ग अलग कीजिए—

(i) सुस (ii) गत

(iii) सु (iv) संगत

अथवा

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश-II पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

'अनुशासन' शब्द का अर्थ है—शासनानुकूल होना अथवा शासन के पीछे, यानी जिसमें कोई-न-कोई नियंत्रण शक्ति विद्यमान हो। इस दृष्टि से जीवन भी अनुशासन में बँधा है। जीव पैदा होता है, कुछ वर्ष संसार में जीता है और मृत्यु को प्राप्त हो जाता है। जीवन के साथ-साथ संपूर्ण प्रकृति भी अनुशासन में बँधी है। प्रतिदिन प्रातःकाल सूर्य उदित होता है और शाम को अस्त हो जाता है। चंद्रमा प्रत्येक मास के पंद्रह दिन ही दिखलाई पड़ता है। तारे रात में दिखलाई पड़ते हैं, दिन में नहीं। दूर सघन वनों में पेड़-पौधे बिना माली के भी फूलते-फलते रहते हैं। मौसम एक नियम से लगातार बदलते रहते हैं। इस जीवन में व्यक्तिगत और समूहगत दोनों स्तरों पर अनुशासन की अपेक्षा की जाती है। व्यक्तिगत स्तर पर मन, वाणी और कर्म का अनुशासन व्यक्ति के जीवन को सार्थक बनाता है। मन का स्वभाव है—चंचलता। जिसने इस चंचलता पर काबू पा लिया, समझ लो, उसने संसार पर काबू पा लिया। जिसने मन जीत लिया, उसने जग जीत लिया। वाणी का अनुशासन सफल जीवन के लिए नितांत आवश्यक है। जो लोग अपनी वाणी पर अंकुश नहीं रख पाते वे लोग संसार में न तो कभी यश प्राप्त कर पाते हैं और न लोकप्रियता। भारतीय चिंतन में कर्म के अनुशासन को भी बहुत महत्त्व दिया गया है। श्रीकृष्ण ने 'गीता' में कर्मों की कुशलता को ही योग का नाम दिया है। संसार उन्हीं लोगों को याद रखता है, जिन्होंने अपने कर्मों को अनुशासित ढंग से पूरा किया है। संसार के महान योद्धाओं, महान राजनेताओं, चिंतकों, साहित्यकारों और वैज्ञानिकों के विषय में यह कथन अक्षरशः सत्य सिद्ध होता है। कर्म के अनुशासन के बिना कोई महान नहीं बनता। व्यक्तिगत अनुशासन के साथ-साथ समूहगत अनुशासन भी ज़रूरी है। आप जिस समाज में, जिस देश के नागरिक हैं, उस समाज और देश के अनुशासन को मान देकर ही आप समाज और देश के प्रति अपना कर्तव्य निभा सकते हैं।

(क) अनुशासन का क्या अर्थ है?
- (i) शासन के अनुकूल आचरण करना
- (ii) अपनी वाणी पर अंकुश लगाना
- (iii) मौसम का लगातार बदलना
- (iv) अनु का शासन करना

(ख) जीवन का शाश्वत क्रम क्या है?
- (i) अनुशासन में बंधना
- (ii) जन्म लेना और मृत्यु को प्राप्त होना
- (iii) महान बनना
- (iv) जग जीतना

(ग) 'योग' किसे कहा गया है?
- (i) कर्मों की कुशलता को
- (ii) सत्य की कुशलता को
- (iii) अनुशासन की कुशलता को
- (iv) विचारों की कुशलता को

(घ) सघन वनों में क्या होता है?
- (i) पेड़-पौधे सूख जाते हैं।
- (ii) पेड़-पौधे बिना माली के फलते-फूलते हैं।
- (iii) पेड़-पौधे माली के साथ फलते-फूलते हैं।
- (iv) पेड़ पौधों को माली के साथ-साथ देखभाल की आवश्यकता होती है।

(ङ) सफल जीवन के लिए क्या आवश्यक है?
- (i) नियंत्रण होना
- (ii) जीवन जीना
- (iii) निराशा को अपनाना
- (iv) वाणी का संतुलन

2. नीचे दो काव्यांश दिए गए हैं। किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए— (1 × 5 = 5)

यदि आप इस काव्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए काव्यांश-I पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

चिलचिलाती धूप को जो चाँदनी देवें बना।
काम पड़ने पर करें जो शेर का भी सामना॥
जो कि हँस हँस के चबा लेते हैं लोहे का चना।
"है कठिन कुछ भी नहीं" जिनके है जी में यह ठना॥
कोस कितने ही चलें पर वे कभी थकते नहीं।
कौन सी है गाँठ जिसको खोल वे सकते नहीं॥

ठीकरी को वे बना देते हैं सोने की डली।
रेग को करके दिखा देते हैं वे सुन्दर खली॥
वे बबूलों में लगा देते हैं चंपे की कली।
काक को भी वे सिखा देते हैं कोकिल-काकली॥
ऊसरों में हैं खिला देते अनूठे वे कमल।
वे लगा देते हैं उकठे काठ में भी फूल फल॥

काम को आरंभ करके यों नहीं जो छोड़ते।
सामना करके नहीं जो भूल कर मुँह मोड़ते॥
जो गगन के फूल बातों से वृथा नलह तोड़ते।
संपदा मन से करोड़ों की नहीं जो जोड़ते॥
बन गया हीरा उन्हीं के हाथ से है कारबन।
काँच को करके दिखा देते हैं वे उज्ज्वल रतन॥

(क) कर्मवीर की क्या पहचान बताई गई है?
(i) विघ्न बाधाओं को सरलता से पार कर लेता है।
(ii) विघ्न बाधाओं से घबरा जाता है।
(iii) विषम परिस्थितियों का सामना नहीं करता।
(iv) विघ्न बाधाओं से डरता है।

(ख) पद्यांश में कवि ने किससे दूर रहने की सलाह दी है?
(i) विघ्न बाधाओं से (ii) दुर्बलताओं से
(iii) कठिनाइयों से (iv) मुसीबतों से

(ग) 'कौन-सी हैं गाँठ जिनको , खोल वे सकते नहीं'-पंक्ति का भाव होगा—
(i) वे हर गाँठ को खोल सकते हैं।
(ii) वे कहीं भी जा सकते हैं।
(iii) कर्मवीरों के लिए कुछ भी असम्भव नहीं होता।
(iv) वे गाँठ नहीं खोलते

(घ) 'लोहे के चने चबाना' मुहावरें का अर्थ होगा—
(i) लोहे के चने खाना
(ii) चनों को लोहे से दबाना
(iii) मुंह मोड़ना
(iv) कठिन परिश्रम करना

(ङ) पद्यांश के लिए उचित शीर्षक होगा—
(i) कर्मवीर (ii) धर्मवीर
(iii) दानवीर (iv) मुसीबत

अथवा

यदि आप इस काव्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए काव्यांश-II पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

भोर हुई पेड़ों की बीन बोलने लगी,
पात-पात हिले, डाल-डाल डोलने लगी।
कहीं दूर किरणों के तार झनझना उठे,
सपनों के स्वर डूबे धरती के गान में।
लाखों-ही-लाख दिए तारों के खो गए,
पूरब के अधरों की हलकी मुस्कान में।
कुछ ऐसे पूरब के गाँव की हवा चली,
खपरैलों की दुनिया आँख खोलने लगी।
जमे हुए धुएँ-सी पहाड़ी है दूर की,
काजल की रेख-सी कतार है खजूर की।
सोने का कलम लिए ऊषा चली आ रही,
माथे पर दमक रही आभा सिंदूर की।

(क) पेड़ों के पत्ते हिलने और किरणें फूटने का क्या कारण है?
(i) हवा चलने के कारण
(ii) भोर होने के कारण
(iii) रात होने के कारण
(iv) दोपहर होने के कारण

(ख) काव्यांश के अनुसार प्रात:काल होते ही किसकी दिनचर्या आरम्भ होती है?
(i) सैनिक की (ii) पुजारी की
(iii) किसान की (iv) मजदूर की

(ग) सोने का कलश लिए कौन चली आ रही है?
(i) बालिका (ii) महिला
(iii) निशा (iv) ऊषा

(घ) 'काव्यांश में किस समय का वर्णन है?
(i) प्रभात की बेला का
(ii) दोपहर की बेला का
(iii) संध्या की बेला का
(iv) रात्रि की बेला का

(ङ) 'पूरब' शब्द का उचित तत्सम रूप होगा—
(i) पुरव (ii) पूर्ब
(iii) पूर्व (iv) पुर्व

खंड 'ख'

व्यावहारिक व्याकरण

अंक-16

3. **निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 4 = 4)**

(क) मैं अस्वस्थ थी इसलिए काम न कर सकी। वाक्य का सरल वाक्य में रूप होगा—
(i) मैं अस्वस्थ होने के कारण काम न कर सकी।
(ii) मैं अस्वस्थ थी तभी तो काम न कर सकी।
(iii) मैं काम न कर सकी क्योंकि मैं अस्वस्थ थी।
(iv) काम न कर सकी मैं, अस्वस्थ थी।

(ख) माता-पिता अपने बच्चों को ईमानदार बनाना चाहते हैं। वाक्य का मिश्र वाक्य में रूप होगा—

(i) बच्चों को ईमानदार बनाना चाहते हैं माता-पिता।
(ii) माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे ईमानदार बनें।
(iii) अपने बच्चों को माता-पिता ईमानदार बनाना चाहते हैं।
(iv) ईमानदार बनाते हैं माता-पिता बच्चों को।

(ग) बच्चे नाच रहे हैं और गा रहे हैं। वाक्य का सरल वाक्य में रूप होगा—
(i) बच्चे गा रहे हैं इसलिए नाच रहे हैं।
(ii) बच्चों को नाचना है इसलिए गा रहे हैं।
(iii) बच्चे नाच-गा रहे हैं।
(iv) बच्चों को गाना है इसलिए नाच रहे हैं।

(घ) जो परिश्रम करता है वही सफल होता है। वाक्य का सरल वाक्य में रूप होगा—
(i) परिश्रम करने वाला सफल होता है।
(ii) जो परिश्रम करता है सफल भी वही होता है।
(iii) सफल भी वही होता है जो परिश्रम करता है।
(iv) सफल होता है परिश्रम करता है जो।

(ङ) कल अवकाश होने के कारण वह घर पर था। वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूप होगा—
(i) कल अवकाश था इसलिए वह घर पर था।
(ii) वह घर पर था क्योंकि कल अवकाश था।
(iii) क्योंकि कल अवकाश था इसलिए वह घर पर था।
(iv) वह घर था क्योंकि इसलिए कल अवकाश था।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 4 = 4)

(क) माली पौधों को पानी दे रहा है— वाक्य का कर्मवाच्य में रूप होगा—
(i) माली के द्वारा पौधों को पानी दिया जा रहा है।
(ii) पौधों को पानी दिया जा रहा है माली के द्वारा।
(iii) पानी दे रहा है माली पौधों को।
(iv) पानी दिया जा रहा है माली से पौधों को।

(ख) छात्रों ने नमस्कार किया-वाक्य का भाववाच्य में रूप होगा—
(i) नमस्कार किया छात्रों ने।
(ii) छात्रों से नमस्कार किया गया।
(iii) नमस्कार किया गया छात्रों से।
(iv) किया गया नमस्कार छात्रों से।

(ग) पुलिस द्वारा लाठियाँ बरसाई गईं-वाक्य का कर्तृवाच्य में रूप होगा—
(i) पुलिस से लाठियाँ बरसाई गईं।
(ii) लाठियाँ बरसाई गईं पुलिस द्वारा।
(iii) पुलिस ने लाठियाँ बरसाईं।
(iv) लाठियाँ बरसाईं पुलिस ने।

(घ) बुद्ध द्वारा करुणा का संदेश दिया गया-वाक्य का कर्तृवाच्य का रूप होगा—
(i) करुणा का संदेश दिया गया बुद्ध द्वारा।
(ii) बुद्ध से करुणा का संदेश दिया गया।
(iii) करुणा का संदेश दिया गया बुद्ध से।
(iv) बुद्ध ने करुणा का संदेश दिया।

(ङ) महात्मा गाँधी ने सत्य और अहिंसा का संदेश दिया-वाक्य में वाच्य है—
(i) कर्तृवाच्य (ii) कर्मवाच्य
(iii) भाववाच्य (iv) वाच्य

5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 4 = 4)

(क) कोमल विद्यालय जाती है - वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा—
(i) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक।
(ii) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक।
(iii) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक।
(iv) समूहवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक।

(ख) तुम क्या खाते हो - वाक्य में रेखांकित पद के लिए उचित पद परिचय होगा -
(i) संबंधवाचक सर्वनाम, पुर्ल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।
(ii) पुरुषवाचक सर्वनाम, पुर्ल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।
(iii) संख्यावाचक सर्वनाम, पुर्ल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।
(iv) निजवाचकवाचक सर्वनाम, पुर्ल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।

(ग) रचित ने कक्षा में प्रथम स्थान पाया - वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा—
(i) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक।
(ii) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक।
(iii) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।
(iv) समूहवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक।

(घ) अरे वाह! तुम्हें नृत्य भी आता है - वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा—
(i) क्रियाविशेषण अव्यय
(ii) समुच्चयबोधक अव्यय
(iii) सम्बन्धबोधक अव्यय
(iv) विस्मयादिबोधक अव्यय

(ङ) घर के पास मन्दिर है - वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा—
(i) क्रियाविशेषण अव्यय
(ii) समुच्चयबोधक अव्यय
(iii) सम्बन्धबोधक अव्यय
(iv) विस्मयादिबोधक अव्यय

6. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 4 = 4)

(क) निम्नलिखित में से रौद्र रस का उदाहरण होगा—
(i) *राम को रूप निहारत जानकी कंगन के नग में परझंहीं।*
याति सबै सुधि भूलि गई कर टेकि रही पल टारत नाहीं॥
(ii) *नाक तमंचे जैसी इसकी, उसकी नाक दुनाली।*
किसी-किसी की भरी-भरी सी, किसी-किसी की खाली॥
(iii) *रे नृप बालक कालबस बोलत तोहि न संभार।*
धनुही सम त्रिपुरारि धनु विदित सकल संसार।
(iv) *मैया मोरी मैं नाहिं माखन खायो।*

(ख) *'राम को रूप निहारत जानकी कंगन के नग में परछौन्ही'*
पंक्ति में रस बताइए—
(i) वीर रस (ii) करुण रस
(iii) अद्‌भुत रस (iv) शृंगार रस

(ग) शृंगार रस का उद्दीपन विभाव होगा—
(i) नायक-नायिका के हाव-भाव
(ii) नायक
(iii) नायिका
(iv) क्रोध करना

(घ) वीर रस का स्थायी भाव बताइए—
(i) दुःख (ii) उत्साह
(iii) करुणा (iv) रति

(ङ) *'मेरो तो गिरधर गोपाल , दूसरो न कोई।*
जाके सिर मोरमुकुट मेरो पति सोई।
पंक्ति में प्रयुक्त रस बताइए—
(i) वीर रस (ii) करुण रस
(iii) भक्ति रस (iv) वात्सल्य रस

खंड 'ग'

पाठ्य-पुस्तक **अंक-14**

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 5 = 5)

हालदार साहब को पान वाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए। एक बेहद बूढ़ा, मरियल-सा लँगड़ा आदमी सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए, एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर आगे बहुत से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रखा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं। फेरी लगाता है।

(क) हालदार साहब को क्या अच्छा नहीं लगा?
(i) एक देशभक्त का मजाक उड़ाया जाना।
(ii) पानवाले के द्वारा पान खिलाना।
(iii) कस्बे से गुजरना।
(iv) जीप में बैठना।

(ख) हालदार साहब किसे देखकर अवाक् रह गए?
(i) पानवाले को (ii) चश्मेवाले को
(iii) बंद दुकान को (iv) मूर्ति को

(ग) चश्मेवाले ने अपना चश्मे का बाँस कहाँ टिका रखा था?
(i) कंधे पर
(ii) पानवाले के पास
(iii) बंद दुकान के सहारे
(iv) पेड़ के सहारे

(घ) गद्यांश में से एक उपसर्गयुक्त शब्द होगा—
(i) पानवाला (ii) हालदार
(iii) चश्मेवाला (iv) दुकान

(ङ) गद्यांश के लेखक का नाम है—
(i) बालगोबिन भगत (ii) स्वयंप्रकाश
(iii) रामवृक्ष बेनीपुरी (iv) यशपाल

8. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 2 = 2)

(क) मूर्ति की आँखों पर कौन-सा चश्मा लगा हुआ था?
(i) पत्थर का (ii) प्लास्टिक का
(iii) सरकंडे का (iv) काँच का

(ख) भगत किसे साहब मानते थे?
(i) खुद को (ii) ईश्वर को
(iii) कबीर को (iv) बेटे को

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 5 = 5)

कहिए जान कौन पै ऊधौ, नाही परत कही।
अवधि अधार आस आवन की, तन-मन बिथा सही।
अब इन जोग संदेसनी सुनि-सुनि बिरहिनी बिरह दही।
चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तै, उत तैं धार बही।
'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यों, मरजादा न लही।

(क) किसके मन की बात मन में ही रह गई?
(i) गोपियों की (ii) कृष्ण की
(iii) उद्धव की (iv) कवि को

(ख) गोपियाँ कौन-सी व्यथा सहन कर रही थीं?
(i) कृष्ण वियोग की (ii) उद्धव के आने की
(iii) प्रेम में डूबने की (iv) प्रेम न करने की

(ग) किसे सुनकर गोपियों की विरहाग्नि बढ़ गई?
(i) भ्रमर के गुंजन को सुनकर
(ii) सूरदास के गीतों को सुनकर
(iii) कृष्ण के योग संदेश को सुनकर
(iv) प्रेम का संदेश सुनकर

(घ) गोपियाँ किस आशा में तन-मन की व्यथा को सहन कर रही थीं?
(i) उद्धव के संदेश को सुनने की
(ii) कृष्ण के आगमन की
(iii) दोनों सही हैं
(iv) कवि के आने की

(ङ) काव्यांश में गोपियाँ कृष्ण को क्या उलाहना दे रही हैं?
(i) योग संदेश भेजने का
(ii) स्वयं न आने का
(iii) प्रेम की मर्यादा का पालन न करने का
(iv) प्रेम करने का

10. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 2 = 2)

(क) परशुराम के क्रोधित होने का क्या कारण था?
(i) राम का जनक सभा में आना
(ii) शिवधनुष का टूटना
(iii) लक्ष्मण का परशुराम से बात करना
(iv) राम का चुप रहना

(ख) 'भानुबंस राकेस कलंकु' में कौनसा अलंकार है?
(i) अनुप्रास (ii) उपमा
(iii) रूपक (iv) उत्प्रेक्षा

SOLUTION
SAMPLE PAPER - 6

खंड 'क'

अपठित गद्यांश एवं काव्यांश

1. (क) *(i)* *अपमान की दृष्टि से।*
(ख) *(ii)* *किसी की सलाह को स्वीकार करने की कला को।*
(ग) *(iii)* *गल्प के रूप में।*
(घ) *(i)* *सलाह को स्वीकारने में।*
(ङ) *(iii)* *सु।*

अथवा

(क) *(i)* *शासन के अनुकूल आचरण करना।*
(ख) *(ii)* *जन्म लेना और मृत्यु को प्राप्त होना।*
(ग) *(i)* *कर्मों की कुशलता को।*
(घ) *(ii)* *पेड़-पौधे बिना माली के फलते-फूलते हैं।*
(ङ) *(iv)* *वाणी का संतुलन।*

2. (क) *(i)* *विघ्न बाधाओं को सरलता से पार कर लेता है।*
(ख) *(ii)* *दुर्बलताओं से*
(ग) *(iii)* *कर्मवीरों के लिए कुछ भी असम्भव नहीं होता।*
(घ) *(iv)* *कठिन परिश्रम करना।*
(ङ) *(i)* *कर्मवीर।*

अथवा

(क) (ii) *भोर होने के कारण।*
(ख) (iii) *किसान की।*
(ग) (iv) *ऊषा।*
(घ) (i) *प्रभात की बेला का।*
(ङ) (iii) *पूर्व।*

खंड 'ख'

व्यावहारिक व्याकरण

3. (क) *(i)* *मैं अस्वस्थ होने के कारण काम न कर सकी।*

व्याख्यात्मक हल—सरल वाक्य में एक उद्देश्य और एक क्रिया होते हैं। अत: यही सही उत्तर है।

(ख) *(ii)* *माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे ईमानदार बनें।*

व्याख्यात्मक हल—मिश्र वाक्य में एक वाक्य दूसरे पर आश्रित होता है प्रधान उपवाक्य और आश्रित उपवाक्य समुच्चयबोधक अव्यय द्वारा जुड़े हुए होते हैं।

(ग) *(iii)* *बच्चे नाच-गा रहे हैं।*

व्याख्यात्मक हल—सरल वाक्य में एक उद्देश्य और एक क्रिया होते हैं। अत: यही सही उत्तर है।

(घ) *(i)* *परिश्रम करने वाला सफल होता है।*

व्याख्यात्मक हल—सरल वाक्य में एक उद्देश्य और एक क्रिया होते हैं। अत: यही सही उत्तर है।

(ङ) *(i)* *कल अवकाश था इसलिए वह घर पर था।*

व्याख्यात्मक हल—संयुक्त वाक्य में दो सरल वाक्य होते हैं जो अपनेआप में पूर्ण अर्थ को व्यक्त करते हैं।

4. (क) *(i)* *माली के द्वारा पौधों को पानी दिया जा रहा है।*

(ख) *(ii)* *छात्रों से नमस्कार किया गया।*

(ग) *(iii)* *पुलिस ने लाठियाँ बरसाईं।*

(घ) *(iv)* *बुद्ध ने करुणा का संदेश दिया।*

(ङ) *(i)* *कर्तृवाच्य।*

5. (क) *(i)* *जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक।*

(ख) *(ii)* *पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।*

(ग) *(iii)* *व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।*

(घ) *(iv)* *विस्मयादिबोधक अव्यय।*

(ङ) *(iii)* *सम्बन्धबोधक अव्यय।*

6. (क) *(iii)* *रे नृप बालक कालबस बोलत तोहि न संभार।*

धनुही सम त्रिपुरारि धनु विदित सकल संसार।।

(ख) *(iv)* *श्रृंगार रस*

(ग) *(i)* *नायक-नायिका के हाव-भाव।*

(घ) *(ii)* *उत्साह।*

(ङ) *(iii)* *भक्ति रस*

खंड 'ग'

पाठ्य-पुस्तक

7. (क) *(i)* *एक देशभक्त का मजाक उड़ाया जाना।*

(ख) *(ii)* *चश्मेवाले को।*

(ग) *(iii)* *बंद दुकान के सहारे।*

(घ) *(iv)* *दुकान।*

(ङ) *(ii)* *स्वयंप्रकाश।*

8. (क) *(iii)* *सरकंडे का।*

(ख) *(iii)* *कबीर को।*

9. (क) *(i)* *गोपियों की।*

(ख) *(i)* *कृष्ण वियोग की।*

(ग) *(iii)* *कृष्ण के योग संदेश को सुनकर।*

(घ) *(ii)* कृष्ण के आगमन की।

(ङ) *(iii)* *प्रेम की मर्यादा का पालन न करने का।*

10. (क) *(ii)* *शिवधनुष का टूटना।*

(ख) *(iii)* *रूपक।*